तर्ज--मुझे इश्क है तुम्ही से

निसबत से मिल गये है,
मेरे साहेब,मेरे स्वामी
हादी के कदमो चलना,ये बंदगी रूहानी
पहचान दे के अपनी,हम पर की मेहरबानी

1--छोड़ा नही अर्श को,
और खेल मे भी आइयां
बैठी तले कदम के,तुमसे जुदा भी होइयां
आकर बिसर गये है,जलवे तेरे नूरानी

2--जिस इश्क लाड मे हम,
तुम्हे पीठ दे के आए
वो ही इश्क लाड देने,नासूत मे वो आए
तेरे इश्क के बिना थी,उम्मत तेरी विरानी

Nijanand App

3--जागो अणे जगाओ,
फुरमान ये धनी का
सब साथ को जगाना,यह काम जागनी का
फुरमान सुन के दौड़े,मोमिन की ये कुर्बानी

4--माशूक के हुकम पर,
आशिक फना हो ऐसे
दीपक को देख करके,जलता पंतगां जैसे
पीछे न मुड़ के देखे,ये इश्क की निशानी

Nijanand App